एक नजर में

तनिष्क भूरिया का एफटीआईआई पुणे में हुआ चयन

झाबुआ। फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) पुणे (महाराष्ट्र) की राष्ट्रीय स्तरीय प्रवेश प्रक्रिया में झाबुआ के तनिष्क भूरिया ने उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करते हुए फिल्मों के लिए साउंड इंजीनियरिंग एवं साउंड डिजाइन कोर्स में चयन हासिल किया है। इस कोर्स में पूरे देश से अत्यंत सीमित सीटें होती हैं, जिनमें चयन पाना बेहद चुनौतीपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। तनिष्क भूरिया ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से फिल्म स्टडीज में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। अपने अध्ययन के दौरान उन्होंने 'गल देव' नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया था, जो भील आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक परंपरा पर आधारित है। इस फिल्म का प्रदर्शन कई राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में हुआ तथा इसे विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। तनिष्क ने अपने चयन का श्रेय माता-पिता रमेश भूरिया और अंजू भूरिया तथा लोक रंग संस्थान झाबुआ के मार्गदर्शक एवं कला निर्देशक आशीष पांडे को दिया है, जिन्होंने उन्हें सिनेमा और कला की गहरी समझ प्रदान की। तनिष्क ने कहा कि वे भविष्य में जिले की आदिवासी सांस्कृतिक पहचान को फिल्मों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

पटाखे नहीं फोड़ने वाले बच्चों का बहुमान किया

झाबुआ। स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जिनालय में परम् पूज्य साध्वी भगवंत रत्नरेखा श्रीजी मसा की पावन प्रेरणा एवं प्रवचन से प्रेरित होकर जिन बच्चों ने दीपावली पर्व पर जीवदया के महत्व को समझते हुए तप, त्याग के साथ पर्व को मनाया एवं पटाखे नहीं फोड़ने के पच्चखान लिए, उन सभी बच्चों का 26 अक्टूबर, रविवार श्री संघ के लाभार्थी हस्तीमलजी जयेश संघवी एवं मधुकर निशान शाह परिवार द्वारा बहुमान किया गया। इसमें 3 से लेकर 16 वर्ष तक की आयु के कुल 20 से अधिक बच्चों का बहुमान किया गया। श्री संघ के वरिष्ठजनों एवं लाभार्थी परिवारों द्वारा हीरम छाजेड़, इरा छाजेड़, कृत संघवी, धर्मिका कांठी, पूर्वीत कटकानी ,धवित कटकानी, भवी संघवी, धर्मी शाह, प्रावि जैन, चाहत रुनवाल, स्पर्श रुनवाल, श्रेया जैन, पर्व रुनवाल, चौत्य मुथा, निष्ठा राठौर, सानिध्य जैन, निवान जैन, विरती काठी, हिया भंडारी आदि का बहुमान करते हुए अनुमोदना की गई।

चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना पर्व मनाया

झाबुआ। शहर में चार दिवसीय छठ महापर्व आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। दूसरे दिन खरना पर्व के अंतर्गत समाजजनों ने घरों पर व्रत, उपवास आदि रखने के साथ माटी के चूल्हे पर खीर, रोटी, पूरी, पराठा आदि बनाकर भोजन के रूप में ग्रहण किया गया। साथ ही खरना पर्व की एक-दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। 27 अक्टूबर, सोमवार को शहर के बहादुर सागर तालाब के घाट पर संध्याकाल समाजजन एकत्रित होकर छठ माता की विधि-विधान से पूजन के साथ अस्त होते सूर्यदेवता को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद घर पर आकर कोसी भरी जाएगी। इस दिन रात्रि जागरण के साथ भजन-किर्तन होंगे। अगले दिन 28 अक्टूबर, मंगलवार अलसुबह पुन: बड़े तालाब के घाट पर उदय होते सूर्यदेवता को अर्घ्य देकर इस दिन विशेष व्यंजनों को ग्रहण करने के साथ प्रसाद के रूप में वितरण किया जाएगा। पर्व को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह और उमंग का वातावरण है।

चेन स्नैचिंग गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार, तीन लाख का माल बरामद

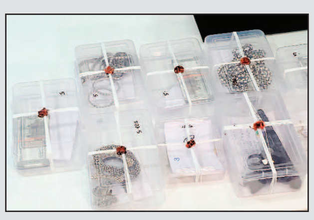

झाबुआ . प्रकरण क्रमांक 1 : दिनांक 06 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 13 .00 बजे ग्राम लम्बेला, रेतालुंजा फाटा, कुन्दनपुर-पिटोल रोड पर कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा एक वृद्ध दंपत्ति की मोटरसाइकिल को रोककर महिला के गले से सोने की चेन एवं कान के टॉप्स छीन लिए गए थे। इस संबंध में थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 361/2025, धारा 304(2) बी .एन .एस . के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

प्रकरण क्रमांक 2 : दिनांक 04 .10 .2025 को फरियादिया घर से खेत की ओर जा रही थीं, तभी झाबुआ की ओर से काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार कुछ अज्ञात व्यक्ति आए और गले से सोने का मंगलसूत्र झपट कर भाग गये। जिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 750/2025 दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ शिव दयाल सिंह द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित की गई। टीमों ने क्षेत्र में लगातार सर्चिंग की, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों से महत्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल एवं छीना गया सामान बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपी : 1. अल्केश पिता चेनिया भाई गणावा, निवासी वरमखेड़ा, उम्र 23 वर्ष, 2. पंकज पिता मंगला भाई डामोर, निवासी ग्राम पानदेडी, उम्र 25 वर्ष, 3. रिकेश पिता बसुभाई मोहनिया, निवासी ग्राम वरमखेड़ा, उम्र 27 वर्ष

जप्त मशरूका : विवरण अनुमानित कीमत, सोने की चेन व कान के टॉप्स ?2,50,000/- मोबाइल फोन (वनप्लस कंपनी) 40,000/- पिस्टल (एयर गन) कुल जप्त मशरूका लगभग 3,00,000/- एवं घटना में प्रयुक्त दो मोटर सायकल इस कार्य में निरीक्षक दिनेश रावत (थाना प्रभारी रानापुर झाबुआ), उप निरीक्षक बृजेंद्र छाबरिया (चौकी प्रभारी कुन्दनपुर), सउनि कडबसिंह मेड़ा, प्रआर 62 रतनसिंह मोर्य, प्रआऱ 244 राजेन्द्र निनामा, आर 19 दिनेश निंगवाल, आऱ 446 सुनील डावर, आर 163 विवेक कुमार, आर 181 अर्जुन चौहान तथा आर 615 एलाम डुडवे का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा पूरी टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

▶ **न्यायमूर्ति विवेक रुसिया बोले- प्रारंभिक स्तर पर ही विवादों को समाप्त कराने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की कुंजी है सामुदायिक मध्यस्थता**

झाबुआ। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन एवं विवेक रुसिया, प्रशासनिक न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय, खंडपीठ इंदौर के मुख्य आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ द्वारा 'सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम' 26 से 28 अक्टूबर तक अंबा रिसोर्ट बाड़कुआ में किया जा रहा है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती विधि सक्सेना, डॉ. मोहम्मद शमीम, मास्टर टेऊनर एवं सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नेहा मीना कलेक्टर, डॉ. शिवदयालसिंह गुर्जर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य न्यायाधीशगणों तथा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में मां सरस्वतीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

कार्यक्रम में विवेक रुसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति ने इंदौर में सामुदायिक मध्यस्थता के क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सामुदायिक मध्यस्थता को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने मध्यस्थता से होने वाले लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि मध्यस्थता से निपटे हुए मामलों में ना किसी की जीत होती है और ना किसी की हार होती है। आपने आगे कहा कि मध्यस्थता अभी से नहीं चल रही है, यह हजारो-हजारो साल पहले रामायण एवं महाभारत काल से चली आ रहीं है। आपने उपस्थित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज में होने वाले छोटे-मोटे प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से करवाने में सहयोग प्रदान कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करे। समारोह में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष विधि सक्सेना ने सामुदायिक मध्यस्थता को परिभाषित करते हुए कहा कि यह एक संरक्षित अवधारणा है, जिसमें समाज में उत्पन्न होने वाले छोटे-छोटे मामलों का निराकरण आपसी सुलह समझाईश से कर सकते है।

आपने बताया कि सामुदायिक मध्यस्थता एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है जिसमें एक प्रशिक्षित, तटस्थ मध्यस्थ समुदाय के भीतर लोगों के बीच मतभेदों और विवादों को सुलझाने में मदद करता है। यह एक सुरक्षित और तटस्थ वातावरण प्रदान करता है, जहां पक्षकार अपने विवादों पर चर्चा कर अक्सर अदालती कार्रवाई और उससे जुड़े खर्चों से बचते हुए पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान ढूंढ सकते हैं।

सरस्वती वंदना एवं लोक नृत्य की प्रस्तुति दी

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना गायन एवं जनजाति कलाकारों द्वारा लोकनृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। 26 से 28 अक्टूबर तक आयोजित सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर डॉ. मोहम्मद शमीम सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं श्रीमती विधि सक्सेना प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ द्वारा जिले के 6 जनपदों के 48 प्रतिभागियों को सामुदायिक मध्यस्थता के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

माननीय न्यायमूर्ति के सामुदायिक मध्यस्थता के विचार को न्यायालयों की परिधि से पृथक समाजों और समुदायों तक विस्तारित करने का कार्य प्रारभं किया, जिससे सामुदायिक स्तर पर कार्रवाई करने हेतु व्यक्ति को अविलंब समाधान प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने झाबुआ में सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र संचालन हेतु हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. मोहम्मद शमीम, पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयालसिंह गुर्जर, विशेष न्यायाधीश विवेकसिंह रघुवंशी, जिला न्यायाधीश राजेन्द्रकुमार शर्मा, सुभाष सुनहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिनकुमार मुजाल्दा, न्यायिक मजिस्ट्रेट सरोजबाला मुजाल्दा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवकुमार डावर, बलराम मीणा, सिविल न्यायालय पेटलावद से जिला न्यायाधीश ओमप्रकाश बोहरा, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोहनलाल भगोरा, नेहा मोर्य सोलंकी, सिविल न्यायालय थांदला से न्यायिक मजिस्ट्रेट गजेन्द्रसिंह रावत, अब्दुल सईद चौधरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्रसिंह चौहान, जिला विधिक सहायता अधिकारी उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर दीपक शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी झाबुआ जयदेव माणिक, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ दीपक भंडारी सहित अधिवक्तागण, अस्सिटेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विश्वास शाह, जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल रुपेश शर्मा ने किया एवं आभार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवकुमार डावर ने माना।

ज्ञान पंचमी आराधना पर्व जप-तप के साथ मनाया

▶ **भगवान के दर्शन-पूजन के लिए समाजजनों की दिनभर लगी रहीं भीड़**

झाबुआ। स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जिनालय में विराजित परम् पूज्य साध्वी रत्नरेखा श्रीजी मसा आदि ठाणा-3 की पावनकारी निश्रा में 26 अक्टूबर, रविवार को ज्ञानपंचमी आराधना पर्व जप-तप के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 125 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयंबिल, एकासना आदि तप करने के साथ ज्ञान की देववंदन क्रिया संपन्न की।

जानकारी देते हुए श्री संघ के वरिष्ठ अशोक कटारिया ने बताया कि ज्ञानपंचमी पर्व पर बावन जिनालय में सुबह से ही समाजजनों की भगवान के दर्शन-वंदन एवं पूजन के लिए भारी भीड़ रहीं। पूज्य साध्वी रत्नरेखा श्रीजी ने रविवार सुबह 9 बजे विशिष्ठ मंत्रोच्चार के साथ ज्ञान की आराधना प्रारंभ की। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम विशिष्ट ज्ञान की पुस्तकों और शास्त्रों के सम्मुख वाक्षेप पूजा की क्रिया प्रारंभ हुई। वाक्षेप पूजा का लाभ बिंदु यशवंत, निखिल, शार्दुल, जिनांश भंडारी परिवार ने लिया। ज्ञान के वधामणा का लाभ विशिष्ठ मंत्रोच्चार के साथ सोना-चांदी आदि बहुमूल्य रत्नों से रितेश बाबूलाल कोठारी परिवार 'सिलेक्शन' ने लेते हुए क्रिया सपन्न की। पश्चात् ज्ञान की आरती निखिल, शार्दुल, जिनांश भंडारी परिवार द्वारा उतारी गई।

51 खमासमणा देकर देववंदन की क्रिया की : मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मन: पर्यव ज्ञान एवं केवल ज्ञान इन पांच प्रकार के ज्ञान की विधिवत देववंदन की क्रिया पूज्य साध्वी भगवंत ने 9.30 बजे से प्रारंभ की। क्रमश: पांच ज्ञान के 28, 14, 6, 2 एवं 1 इस प्रकार कुल 51 प्रदक्षिणा प्रदान करते हुए क्रिया पूर्ण की गई। अंत में 51 लोगस्स का काउसग्ग कराया गया। क्रिया में 2 घंटे से अधिक का समय लगा। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीसंघ अध्यक्ष संजय मेहता ने किया।

पहले ज्ञान फिर क्रिया : इस अवसर पर पूज्य साध्वी रत्नरेखा श्रीजी ने ज्ञान के महत्व को समझाते हुए कहा कि 'पढमं नाणं तओ दया' अर्थात मनुष्य में जब ज्ञान की प्राप्ति होगी, तो वह अच्छे से धर्म क्रिया एवं धर्म मार्ग का पालन कर सकता है, इसलिए ज्ञान सर्वप्रथम आवश्यक है। आपने गुरुदेव के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पूज्य आचार्य देवेश श्री हेमेन्द्र सूरीश्वरजी मसा ने 92 वर्ष की आयु पर्यन्त प्रत्येक पंचमी को उपवास तप के साथ पूर्ण की। इस दौरान पूज्य साध्वीश्री से प्रेरित होकर कई श्रावक-श्राविकाओं ने प्रत्येक माह की पंचमी को आयंबिल तप करने का नियम अंगीकार किया।

थांदला पुलिस ने चोरी के दो प्रकरणों का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

थांदला। थाना थांदला पुलिस एवं चौकी खवासा पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए चोरी के दो अलग-अलग प्रकरणों का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण क्रमांक 1, दिनांक 21.09.2025 की रात ग्राम गुलरीपाड़ा में अज्ञात चोरों ने फरियादी के घर का नकुचा तोड़कर लोहे की संदूक का ताला तोड़ा और उसमें रखे ?20,000/- नगद व सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। इस संबंध में थाना थांदला पर अपराध क्रमांक 420/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण क्रमांक 2:दिनांक 25.09.2025 की रात ग्राम धुमडिया में अज्ञात चोरों ने फरियादी के घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तथा घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण एवं ?45,000/- नगद चोरी कर लिए। इस संबंध में थाना थांदला पर अपराध क्रमांक 425/2025, धारा 331(4), 305 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त चोरी की घटनाओं की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री शिव दयाल सिंह द्वारा एसडीओपी थांदला एवं थाना प्रभारी थांदला को त्वरित रूप से टीमें गठित कर घटनाओं के खुलासे के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम द्वारा लगातार किए गए प्रयासों एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी

1. कालू पिता हवसिंह भूरिया (35 वर्ष), निवासी ग्राम तुमडिया, थाना मेघनगर
2. रालू पिता हवसिंह भूरिया (30 वर्ष), निवासी ग्राम तुमडिया, थाना मेघनगर
3. मोमसिंह पिता धीरा खडिया (48 वर्ष), निवासी ग्राम दोतड, थाना मेघनगर

थाना थांदला एवं चौकी खवासा पुलिस की तत्परता, सक्रियता एवं त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में घटित दोनों चोरी के प्रकरणों का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया गया है।

एक नजर ▶ **शहर में हाट के दिन बाजारों में फीकी रही रौनक**

मौसम ने बदली करवट, दोपहर में हुई रिमझिम बारिश

झाबुआ। 26 अक्टूबर, रविवार सुबह से मौसम में अजीब सा बदलाव देखा गया। मौसम अत्यधिक सर्द होने के साथ दोपहर में रिमझिम बारिश हुई। रविवार को शहर में हाट का दिन होने के बावजूद बाजारों में भीड़ कम रहीं। यह हाट दीपावली पर्व के बाद आने से उजाड़िया हाट होने से भी बाजार में रौनक कम देखने को मिली।

मौसम विभाग के अनुसार मप्र के कई जिलों में मावठे का असर झाबुआ जिले में भी देखने को मिल रहा है, जिसका असर आगामी दो-तीन दिनों तक ओर रहेगा। इस दौरान मौसम सर्द रहने के साथ शीत लहरे चलेगी। रूक-रूककर बारिश की भी संभावना है। रविवार सुबह से ही मौसम ठंडा होने के साथ दोपहर में रूक-रूककर हुई रिमझिम बारिश ने मौसम को सर्द बनाने के साथ खुशनुमा बनाया। दोपहर में बारिश के चलते अधिकांश लोग जहां अपने घरों से छातों की ओट में निकले तो वहीं मौसम परिवर्तन के कारण दो पहिया वाहन चालकों को जहां दोपहर में भी वाहन की हेडलाईट चालू करने के साथ चार पहिया वाहन एवं अन्य बड़े वाहन चालकों को बारिश के छींटों की वजह से वायपर ऑन करना पड़े।

बहुत कम ग्राहक पहुंचे हाट में : शहर में रविवार को हाट का दिन होने के बावजूद शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से कम लोग ही बाजार में खरीददारी हेतु पहुंचे। दीपावली पर्व के बाद यह हाट आने से उजाड़िया हाट की वजह से भी बाजार में भीड़ कम रहीं। कुछ मार्गों में दोपहर में विरानी सी भी देखने को मिली। वर्तमान में शीत ऋतु का सीजन होने से अब अलसुबह एवं रात्रि में ठंड महसूस होने के साथ बाजार में गर्म वस्त्रों की दुकाने भी जगह-जगह सजी हुई है। अलसुबह ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने के साथ सुबह अदरक और ईलाचयी वाली चाय का लुत्फ उठा रहे है। बाजार में गराडू, जलेबी, गरम दूध की मांग बढ़ी है।

फसलों के लिए अनुकूल मौसम

कृषि विभाग के उप-संचालक डॉ. नगीनसिंह रावत के अनुसार वर्तमान मौसम रबि फसलों में गेहूं, चना, सरसो आदि की बोवनी बाद पैदावार के लिए उपयुक्त है। समय पर फसलों की देखरेख एवं खरपतवार करना आवश्यक है। वहीं मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर, शनिवार को जहां अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रेकार्ड किया गया था। 26 अक्टूबर, रविवार को अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ 30.4 डिसे एवं न्यूनतम तापमान 22.4 डिसे दर्ज किया गया। मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष वर्षाकाल में कुल 872 मिमी अर्थात करीब 35 इंच वर्षा रेकार्ड की गई है।